B.Ed 2nd year — 21/04/2020 Tuesday

पर्यावरण शिक्षा

समुद्री प्रदूषण [Marine Pollution]

समुद्र एक स्वतन्त्र पारिस्थितिक तन्त्र है, जिसमें उत्पादक, उपभोक्ता, इत्यादि सभी पाए जाते हैं। इनको बनाए रखना आवश्यक है क्योंकि यदि इसमें संतुलन नहीं होगा, तो यह पारिस्थितिक तन्त्र नष्ट हो जायेगा, जिसका प्रभाव सभी जलीय जीवों पर पड़ेगा।

समुद्री प्रदूषण के कारण

वर्तमान में समुद्र के पारिस्थितिक तन्त्र में मानवीय क्रियाकलापों के फलस्वरूप असन्तुलन की स्थिति उत्पन्न हो रही है, और इस असन्तुलन से ही "समुद्री प्रदूषण" की स्थिति उत्पन्न होती है। इसके निम्नलिखित कारण हैं।

1. औद्योगीकरण
2. समुद्री किनारों पर लोगों का निवास (होना) करना।
3. समुद्र से तेल का ले जाना/लाना
4. यातायात तथा पर्यटन द्वारा
5. आयात व निर्यात के कारण।
6. जलीय जीवों को नुकसान
7. युद्ध के परिणामों के कारण।

समुद्री प्रदूषण के प्रभाव

1. मछलियों पर प्रभाव
2. जलीय जीवों पर
3. समुद्री पदार्थों के उत्पादन पर
4. खाद्य श्रृंखला पर
5. समुद्री जल पर प्रभाव [तेल के रिसाव खनन से]

सुरक्षा के उपाय

इस प्रदूषण प्रक्रिया को रोका तो नहीं जा सकता। भारत सरकार ने इसे 'अति विशिष्ट क्षेत्र' घोषित किया है। व्यवस्थित क्रियाकलापों द्वारा इस प्रदूषण से समुद्र को बचाया जा सकता है। यह इसका एकमात्र निदान है।

B.R.C. Deoband
Pro - Sapna Tyagi

Scanned with CamScanner